[This question paper contains 6 printed pages.]

5895 *आपका अनुक्रमांक* .....

B.A. (Prog.)/II **E**

HINDI DISCIPLINE—Paper II

हिंदी अनुशासन - प्रश्नपत्र II

(हिंदी गद्य विधाएँ, उपन्यास और हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास)

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : *प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।*

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए

(क) करुणा अपना बीज अपने आलम्बन या पात्र में नहीं फेंकती है अर्थात् जिस पर करुणा की जाती है वह बदले में करुणा करने वाले पर भी करुणा नहीं करता - जैसा कि क्रोध और प्रेम

P.T.O.

में होता है - बल्कि कृतज्ञ होता अथवा श्रद्धा या प्रीति करता है। बहुत-सी औपन्यासिक कथाओं में यह बात दिखाई गई है कि युवतियाँ दुष्टों के हाथ से अपना उद्धार करने वाले युवकों के प्रेम में फँस गई है। कोमल भावों की योजना में दक्ष बंगला के उपन्यास-लेखक करुणा और प्रीति के मेल से बड़े ही प्रभावोत्पादक दृश्य उपस्थित करते हैं।

अथवा

दूसरे की दुर्बलता के प्रति मनुष्य का ऐसा स्वाभाविक आकर्षण है कि वह सच्चरित्र की त्रुटियों के लिए दुश्चरित्र को भी प्रमाण मान लेता है। चोर ईमानदारी का उपयोग नहीं जानता, झूठा सत्य के प्रयोग से अनभिज्ञ रहता है। किसी गुण से अनभिज्ञ या उसके सम्बन्ध में अनास्थावान मनुष्य यदि उस विशेषता से युक्त व्यक्ति का विश्वास न करे, तो स्वाभाविक ही है, पर उसकी भ्रान्त धारणा भी प्राय: समाज में प्रमाण मान ली जाती है, क्योंकि मनुष्य किसी को दोष-रहित नहीं स्वीकार करना चाहता और दोषों के अथक अन्वेषक दोषयुक्तों की श्रेणी में ही मिलते हैं।

(ख) दुनिया बड़ी विचित्र है। इंसानियत के कैसे-कैसे नमूने यहाँ हैं! एक मेरे वह दोस्त थे कि मेरे बारे में झूठी खबरें फैलाकर उन्होंने मुझे सब प्रकार की आर्थिक सहायता से वंचित करा दिया था। एक मेरे वह दोस्त थे जिन्होंने मेरी अनुपस्थिति में मेरे घर-परिवार की इज्जत मिट्टी में मिला देने को कुछ न उठा रखा था। एक मेरा यह दोस्त था जिसने बिना मेरे मांगे, मेरी ऐसी सहायता की थी, जैसी कोई दूसरा उस अजनबी देश में न कर सकता था।

अथवा

शकलदीप बाबू थोड़ा हँसते हुए बोले, तुमको अब भी संदेह है?

लो, मैं कहता हूँ कि बबुआ ज़रूर आएँगे ज़रूर आएँगे ज़रूर आएँगे! नहीं आए तो मैं अपनी मूँछ मुड़वा दूँगा। ओर कोई कहे या न कहे, मैं तो इस बात को पहले से ही जानता हूँ। अरे, मैं ही क्यों, सारा शहर यही कहता है। अम्बिका बाबू वकील मुझे बधाई देते हुए बोले, 'इंटरव्यू में बुलाए जाने का मतलब यह है कि अगर इंटरव्यू थोड़ा भी अच्छा हो गया, तो चुनाव निश्चित है।' मेरी नाक में दम था, जो भी सुनता, बधाई देने चला आता।

(8.8=16)

2. (क) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) लेखक की दृष्टि में करुणा क्या है?

(ii) भारतीय संस्कृति के निर्माण में आर्येत्तर जातियों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(iii) बंगाल में लोगों के भूख से मरने के क्या कारण थे?

(iv) स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को 'भोलाराम का जीव' में किस प्रकार प्रकट किया गया है?

(v) बिबिया के गायब होने पर समाज में फैले अपवाद पर लेखिका की क्या प्रतिक्रिया थी?

(vi) रामवृक्ष बेनीपुरी द्वारा चित्रित बुधिया के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(vii) 'सुखी डाली' के दादा जी का चरित्र चित्रण कीजिए।

(viii) पश्चिम के आलोचकों में ब्रेख्त के विषय में विवाद का विषय क्या था और क्यों था?

(4×4=16)

P.T.O.

(ख) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) जोखू, ने गंगी को ठाकुर के कुएँ से पानी लाने से क्यों रोका?

(ii) शकलदीप बाबू जमुना से पूजा-पाठ करने के लिए क्यों कहते हैं?

(iii) सेवा निवृत्ति से पूर्व गजाधर बाबू का क्या सपना था?

(iv) पश्चिमी ढंग से मशीनीकरण का क्या विकल्प है?

(v) आचार्य शुक्ल के अनुसार समाज को जोड़ने वाला तत्त्व क्या है?

(vi) अकाल के दौरान बंगाल में जीवनी शक्ति के क्या प्रमाण थे?

(vii) बिबिया का लेखिका के साथ क्या संबंध था?(1×3=3)

3. किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) उम्र से पहले ही ओढ़ी हुई उसकी समझदारी को कितने तकलीफ के साथ झेल पाती थी वह। शकुन के हर दुख को अना दुख और उसकी कही-अनकही इच्छा को एक आदेश-सा बना लेने की बंटी की मजबूरी ने शकुन को अपनी ही नज़रों में अपराधी बनाकर छोड़ दिया था। दिन में दो-चार बार पापा की बात करने वाले बच्चे ने कैसे इस शब्द को काटकर फेंक दिया था... शब्द को ही नहीं, अजय के भेजे खिलौने, उसकी तस्वीर तक को अलमारी में बन्द कर दिया था। बिना शकुन के चाहे या कहे भी वह उसे प्रसन्न करने का हर भरसक प्रयत्न करता

रहा था और कैशे शकुन का कष्ट बढ़ते-बढ़ते असह्य-सा हो गया था। (आपका बंटी)

अथवा

सब लोग केवल उससे चाहते ही हैं और वह उनकी चाहनाओं को पूरती रहे यही एकमात्र रास्ता है उसके लिए। बस, वह कुछ न चाहे। जहाँ चाहती है, वहीं गलती क्यों हो जाती है? ऐसा अनुचित-असम्भव भी तो उसने कुछ नहीं चाहा। एक सहज सीधी जिन्दगी, जिसमें रहकर वह कम से कम यह तो महसूस कर सके कि वह जिन्दा है। केवल सूरज डूब-उगकर ही उसे रात होने और बीतने का एहसास न कराये, उसके अतिरिक्त भी 'कुछ' हो। कितनी सहज-स्वाभाविक इच्छाएँ थीं उसकी! फिर भी सब गलत, केवल इसलिए कि वे उसकी थीं।

(आपका बंटी)

(ख) जालपा ने रमा से कभी दिल खोलकर बात न की थी। वह इतनी विचारशील है, उसने अनुमान ही न किया था। वह उसे वास्तव में रमणी ही समझता था। अन्य पुरुषों की भाँति वह भी पत्नी को इसी रूप में देखता था। वह उसके यौवन पर मुग्ध था। उसकी आत्मा का स्वरूप देखने की चेष्टा ही न की। अगर वह रूप-लावण्य की राशि न होती, तो कदाचित् वह उससे बोलना भी पसंद न करता। उसका सारा आकर्षण, उसकी सारी आसक्ति केवल उसके रूप पर थी। वह समझता था, जालपा इसी में प्रसन्न है। उसकी चिन्ताओं के बोझ से वह उसे दबाना नहीं चाहता था, पर आज उसे ज्ञात हुआ, जालपा उतनी ही चिन्ताशील है, जितना वह खुद था। (गबन)

अथवा

विधाता को संसार दयालु, कृपालु, दीनबन्धु और जाने कौन-कौन सी उपाधियाँ देता है। मैं कहती हूँ उससे निर्दयी, निर्मम, निष्ठुर कोई शत्रु भी नहीं हो सकता। पूर्व जन्म का संस्कार केवल मन को समझाने की चीज़ है। जिस दण्ड का हेतु हमें न मालूम हो, उस दण्ड का मूल्य ही क्या! वह तो जबर्दस्त की लाठी है, जो आघात करने के लिए कोई कारण गढ़ लेती है। इस अँधेरे, निर्जन, काँटों से भरे हुए जीवन-मार्ग में केवल एक टिमटिमाता दीपक मिला था। मैं उसे अंचल में छिपाये, विधि को धन्यवाद देती हुई, गाती चली जाती थी, पर वह दीपक भी मुझसे छिना जा रहा है इस अंधकार में मैं कहाँ जाऊँगी, कौन मेरा रोना सुनेगा, कौन मेरी बाँह पकड़ेगा? (गबन) (8)

4. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:

(i) भारतीय नारियों की आभूषण-प्रियता को 'गबन' उपन्यास में किस पात्र के माध्यम से दर्शाया गया है? उसके चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ii) 'गबन' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(iii) बंटी का चरित्र चित्रण कीजिए।

(iv) 'आपका बंटी' उपन्यास के कथ्य को स्पष्ट कीजिए। (12)

5. कहानी **अथवा** संस्मरण का विकासात्मक परिचय दीजिए। (10)

6. उपन्यास **अथवा** आत्मकथा की विकास-यात्रा को रेखांकित कीजिए। (10)